राज भवन

संवाद

राज भवन, बिहार की मासिक पत्रिका

वर्ष-2, अंक 11, नवम्बर, 2019

विशेष आकर्षण

- पशुधन का विकास भारत के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु आवश्यक-राज्यपाल
- कौमी एकज़ेहती मुल्क की तरक्की के लिए बेहद जरूरी-राज्यपाल
- उच्च शिक्षा के विकास-एजेन्डे पर विश्वविद्यालय तेजी से अमल करें-राज्यपाल

माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द का राज्यपाल ने हार्दिक स्वागत किया

पटना हवाई अड्डा पर माननीय राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए राज्यपाल– 25 अक्टूबर 2019

माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द का माननीय राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 25 अक्टूबर 2019 को पटना हवाई अड्डा पहुँचने पर पुष्प–गुच्छ तथा 'महात्मा बुद्ध की कहानियाँ' नामक पुस्तक सादर भेंटकर हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

उक्त अवसर पर राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति मो॰ हारून रशीद, बिहार मंत्रिपरिषद् के कई माननीय मंत्रिगण सहित राज्य सरकार के वरीय अधिकारीगण आदि ने भी माननीय राष्ट्रपति का स्वागत एवं अभिवादन किया।

पटना हवाई अड्डा पर भारत की माननीया प्रथम महिला श्रीमती सविता कोविन्द का भी माननीय राज्यपाल ने स्वागत एवं अभिवादन किया।

बाद में, माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द के साथ राजगीर जाकर माननीय राज्यपाल श्री चौहान राजगीर में स्थापित 'विश्व शांति स्तूप' के '50वें वार्षिकोत्सव समारोह' में भी शामिल हुए।

राजगीर से पटना लौटकर राज्यपाल श्री चौहान ने माननीय राष्ट्रपति को पुष्प–गुच्छ समर्पित कर अपराह्न में पटना हवाई अड्डे पर उन्हें सादर विदा भी किया।

पटना हवाई अड्डा पर माननीय राष्ट्रपति को विदा करते हुए राज्यपाल– 25 अक्टूबर 2019

'विश्व शांति स्तूप', राजगीर के 50वें. वार्षिकोत्सव में शामिल माननीय राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री – 25 अक्टूबर 2019

राज्य के सभी विश्वविद्यालयों की पृथक–पृथक समीक्षा का कार्य महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति द्वारा पूरा कर लिया गया है। सभी विश्वविद्यालयों की अलग–अलग की गई समीक्षाओं के दौरान कुछ बातें सामान्य रूप में प्रकट हुई हैं और कुछ ऐसी समस्याएँ भी सामने आई हैं, जिनका समाधान उन विश्वविद्यालयों को स्वतः तत्परतापूर्वक करना होगा।

राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों को शैक्षणिक–सत्र समय पर चलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा है। विश्वविद्यालयों को जून 2020 के पूर्व सभी लंबित परीक्षाएँ आयोजित कर उनके परीक्षाफल प्रकाशित कर देने को कहा गया है। 'यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम' (UMIS) के कार्यों में एकरूपता रखने के लिए भी विश्वविद्यालयों को निदेशित किया गया है। इस प्रणाली के सभी प्रमुख घटकों का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन हो ताकि छात्र एवं शिक्षक अधिकाधिक रूप में इससे लाभान्वित हो सकें– यह सुनिश्चित करने को कहा गया है। 'नैक प्रत्ययन' के लिए सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को गंभीरतापूर्वक प्रयास करने के लिए कुलाधिपति द्वारा हिदायत दी गई है। पूर्व से 'नैक मान्यता–प्राप्त' महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को अपनी ग्रेडिंग में सुधार के लिए सजग और तत्पर रहने का निदेश प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालयों की समीक्षा के क्रम में राज्यपाल–सह–कुलाधिपति द्वारा स्पष्ट कर दिया गया है कि परीक्षाओं के आयोजन एवं नामांकन–प्रक्रिया में किसी भी तरह की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कुलाधिपति द्वारा विश्वविद्यालयों को सामाजिक सुधार एवं पर्यावरणीय जागरूकता के कार्यक्रमों में अपनी पूरी सहभागिता सुनिश्चित करने का भी निदेश दिया गया है।

हमें विश्वास है, राज्य में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को तेज करने में सभी विश्वविद्यालय पूरी सक्रियता और गंभीरता दिखायेंगे।

शुभकामनाओं सहित।

(ब्रजेश मेहरोत्रा)
राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव

वर्ष-2, अंक-11, नवम्बर 2019
प्रधान सम्पादक
ब्रजेश मेहरोत्रा

कार्यकारी सम्पादक
विनोद कुमार

सम्पादक मंडल
संजय कुमार
सुनील कुमार पाठक

सम्पादकीय पता: जन-सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना-22
ई मेल- pr.rajbhavan@gmail.com
दूरभाष- 0612-2786119

इस अंक में

- माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द का राज्यपाल ने हार्दिक स्वागत किया
- पशुधन का विकास भारत के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु आवश्यक–राज्यपाल
- कौमी एकजेहती मुल्क की तरक्की के लिए बेहद जरूरी–राज्यपाल
- राज्यपाल ने मौलाना मजहरूल हक अरबी–फारसी विश्वविद्यालय एवं नालंदा खुला विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की
- राज्यपाल ने आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना की गतिविधियों की समीक्षा की
- उच्च शिक्षा के विकास–एजेन्डे पर विश्वविद्यालय तेजी से अमल करें–राज्यपाल
- राज्य में स्वास्थ्य–सुविधाओं के विकास हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार तत्पर–राज्यपाल
- राज्यपाल ने 'जयप्रकाश तुम लौट आओ' पुस्तक को लोकार्पित किया
- राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के सपनों को साकार करने हेतु सबको संकल्प लेना चाहिए–राज्यपाल
- आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का छठा दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ
- राजकीय समारोह
- बिहार के राज्यपाल

पशुधन का विकास भारत के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु आवश्यक-राज्यपाल

बिहार पशुविज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल– 15 अक्टूबर 2019

"भारत एक कृषि प्रधान देश है। पशुपालन भारतीय कृषि का अभिन्न अंग रहा है। पशुधन हमेशा से भारत के आर्थिक–चिन्तन का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। पशुधन का विकास भारत के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु बेहद जरूरी है। कृषि और पशुपालन को प्रोत्साहित कर हम ग्रामीण क्षेत्र के करोड़ों किसानों और पशुपालकों को रोजगार और आर्थिक विकास से जोड़ सकते हैं। पशुपालन हो, मछली–पालन हो, मुर्गी–पालन हो या मधुमक्खी–पालन –इन पर किया गया निवेश ज्यादा लाभकारी होता है। पशु एवं मत्स्य विज्ञान में शिक्षा, शोध, प्रसार एवं प्रशिक्षण में गुणवत्तापूर्ण विकास के लिए ही बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना की स्थापना की गई है।" –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने स्थानीय अधिवेशन भवन में आयोजित बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के 'प्रथम दीक्षांत समारोह' को अध्यक्षीय पद से संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की शोध परियोजनाएँ चल रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन शोध परियोजनाओं के सकारात्मक परिणामों से हमारे किसानों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान में सहायता मिलेगी।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि देश एवं राज्य में देशी नस्ल की गायों के सम्वर्द्धन हेतु भ्रूण–प्रत्यारोपण तकनीक की एक परियोजना इस विश्वविद्यालय में चलायी जा रही है। फलतः बिहार राज्य में देशी नस्ल की गायों के संरक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक एवं आई॰सी॰ए॰आर॰ के सहयोग से 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' इस विश्वविद्यालय में चल रही है, जिससे यहाँ के शिक्षा और अनुसंधान के स्तर में वृद्धि होगी।

राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में 'स्वच्छता–अभियान' चलाने हेतु निर्देश दिये गये हैं। बड़ी संख्या में पौधारोपण कर 'हर परिसर, हरा परिसर' कार्यक्रम को सफल बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती–वर्षगाँठ के सुअवसर पर संकल्प लिया गया है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में 'जलशक्ति कैम्पस' और 'स्वच्छ कैम्पस' की अवधारणा को साकार किया जायेगा। श्री चौहान ने कहा कि विश्वविद्यालयों को गाँवों को गोद लेकर 'जलशक्ति ग्रामों' के सपने को भी साकार करना है। स्वच्छता, सफाई एवं जल–संरक्षण के कार्यों को मूर्त्त रूप देने के लिए सभी विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। 'जल–जीवन–हरियाली' योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा जल–संरक्षण एवं हरित–आवरण बढ़ाने के प्रयासों की भी राज्यपाल ने प्रशंसा की।

राज्यपाल ने मत्स्य–उत्पादन में वृद्धि के जरिये अपनी खपत के अनुरूप आत्म–निर्भरता हासिल कर लेने के लिए भी बिहार सरकार को बधाई दी। उन्होंने भारतीय नस्ल के वैसे पशुधन के विकास को भी जरूरी बताया जो यहाँ की जलवायु के अनुरूप होते हैं तथा रोगों के संक्रमण से बचे रहने में भी ज्यादा सक्षम होते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि आज का युग ज्ञान का युग है। विद्यार्थियों को अपनी जिज्ञासा को हमेशा जागृत रखना चाहिए। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि "आपने जो शिक्षा प्राप्त की है, आप उसका पूरा सदुपयोग करेंगे। जो लक्ष्य चुना है, उसे पाने के लिए पूरी निष्ठा और एकाग्रता के साथ काम करें। आप अपने उज्ज्वल भविष्य का सपना लेकर आगे बढ़ें और अपनी सफलता की कहानी स्वयं लिखें, मेरी शुभकामनाएँ आपके साथ हैं।"

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के कृषि मंत्री श्री प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार सरकार 'तीसरे कृषि रोड मैप' के कार्यान्वयन के माध्यम से राज्य में पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन का भी पूरा विकास कर रही है। उन्होंने जैविक खेती तथा गोवंश के विकास हेतु राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होंने पशुपालकों को भी 'किसान क्रेडिट कार्ड' के जरिये लाभान्वित किए जाने की बात बतायी।

कार्यक्रम में दीक्षांत–भाषण देते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ॰ मंगला राय ने कहा कि आज देश में अन्न–उत्पादन करीब छः गुना, दुग्ध–उत्पादन 10 गुना, मछली उत्पादन 15 गुना और अंडा–उत्पादन 50 गुना बढ़ गया है। श्री मंगला राय ने भी मत्स्य–उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बिहार की आर्थिक प्रगति के लिए लाभप्रद बताया। अपने विद्वतापूर्ण उद्‌बोधन में डॉ॰ राय ने कहा कि 'अनुशासन' स्वयं पर स्वयं के शासन से विकसित होता है। उन्होंने स्वाभिमान को जरूरी बताते हुए ज्ञान के अभिमान से बचने की सलाह विद्यार्थियों को दी। श्री राय ने कहा कि सत्य सृजन के द्वार खोलता है। अतः इंसान को बराबर सत्य और न्याय के पक्ष में भयहीन होकर खड़ा होना चाहिए।

कार्यक्रम में बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ रामेश्वर सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्री चौहान, कृषि तथा पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री श्री प्रेम कुमार, कृषि वैज्ञानिक एवं आई॰सी॰ए॰आर॰ के पूर्व महानिदेशक श्री मंगला राय, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की सचिव श्रीमती एन॰ विजयलक्ष्मी सहित कई कृषि वैज्ञानिकों को अंगवस्त्रम् एवं स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया।

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति ने 'दीक्षांत–समारोह' के दौरान स्वर्णपदक प्राप्त करनेवाले तथा उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के बीच पदक एवं डिग्रियों को वितरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

कौमी एकज़ेहती मुल्क की तरक्की के लिए बेहद जरूरी–राज्यपाल

राष्ट्रीय सेमिनार में राज्यपाल को स्मृतिचिह्न भेंट करते हुए कुलपति – 16 अक्टूबर 2020

''जब हरेक इंसान को मुल्क के जर्रे–जर्रे से मुहब्बत होगी, तभी कौमी एकता मजबूत होगी और देश तेजी से तरक्की कर पायेगा। 'राष्ट्रधर्म' से बढ़कर दूसरा कोई धर्म नहीं है। राष्ट्रीय एकता के विकास से ही भारत पूरी दुनियाँ का पुनः सिरमौर बनेगा। उर्दू, अरबी–फारसी –ये सभी भाषाएँ भारत की एकता, अखंडता, सामाजिक सद्भावना और समरसता में विश्वास रखनेवाली भाषाएँ हैं। इनके साहित्यकार भी मुल्क की कौमी एकज़ेहती में विश्वास रखते हैं तथा राष्ट्रीय एकता को वे सर्वोपरि मानते हैं।'' –उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने मौलाना मजहरूल हक अरबी–फारसी विश्व– विद्यालय के तत्वावधान में पटना में आयोजित ''राष्ट्रीय अखंडता में अरबी–फारसी एवं उर्दू भाषा की भूमिका'' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि किसी देश की मजबूती और तरक्की में जितना बड़ा योगदान सामाजिक–राजनीतिक नेताओं–कार्यकर्त्ताओं का होता है, उससे किसी मायने में कम उस मुल्क के अदीबों (साहित्यकारों), कलाकारों, शायरों–कवियों आदि का नहीं होता। अरबी–फारसी और उर्दू भाषाओं के विद्वान और शायरों का भारतीय स्वतंत्रता– आन्दोलन में भी बहुत बड़ा योगदान रहा है।

राज्यपाल ने मौलाना मजहरूल हक को याद करते हुए कहा कि मौलाना साहब दरअसल एक ऐसे इंसान थे, जिन्होंने कौमी एकज़ेहती और तालीमी व्यवस्था के विकास के लिए अपनी जिन्दगी में भरपूर काम किया। उन्होंने हिन्दू–मुस्लिम एकता के लिए अपनी जिन्दगी की आखिरी साँस तक काम किया। वस्तुतः मौलाना साहब को इस बात में पूरा यकीन था कि साम्प्रदायिक सद्भावना मुल्क की बेहतरी और तरक्की के लिए निहायत जरूरी है। उनको इस बात का पूरा एहसास था कि प्यार, भाईचारा और आपसी मेलो–मोहब्बत के बल पर ही हिन्दुस्तान की हिफाजत और तरक्की निर्भर है। मौलाना साहब यह मानते थे कि हिन्दुस्तान उस बाग के समान है, जहाँ किस्म–किस्म के फूलों की खूबसूरती और सुगंध इसकी रौनक बढ़ा रही है। श्री चौहान ने कहा कि मौलाना साहब भारत की सामासिक–संस्कृति और 'विविधता में एकता' के बहुत बड़े हिमायती थे। उन्होंने कहा कि मौलाना साहब राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के बेहद करीबी सहयोगी थे। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि मौलाना साहब के सपनों को साकार करने की दिशा में उनके नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय काफी गंभीरता– पूर्वक कार्य कर रहा होगा और आज के आयोजन को भी इसी नजरिये से देखा जाना चाहिए। राज्यपाल ने कार्यक्रम में 'स्मारिका' का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सूबे में भाईचारा, मेलो–मुहब्बत और सामाजिक सद्भावना के विकास के लिए भरपूर प्रयास कर रही है और इसमें पूरी कामयाबी भी मिल रही है। उन्होंने कहा कि कौमी एकज़ेहती के माहौल में ही मुल्क तेजी से तरक्की कर सकता है।

उद्घाटन–समारोह में अपने विद्वतापूर्ण संबोधन के दौरान प्रो॰ तलहा रिजवी बर्क ने कहा कि खयालात में एकज़ेहती के साथ–साथ व्यवहार में ऐकज़ेहती भी बहुत जरूरी होती है। उन्होंने उर्दू एवं अरबी–फारसी के कई शायरों के खूबसूरत शेरों को पेश करते हुए उर्दू और अरबी–फारसी भाषा की अमन और कौमी एकज़ेहती के विकास में सार्थक भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में स्वागत– भाषण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ खालिद मिर्जा एवं धन्यवाद–ज्ञापन प्रतिकुलपति प्रो॰ सैय्यद मो॰ रफीक आजम ने किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग श्री आमिर सुबहानी, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा तथा कुलसचिव कर्नल कामेश कुमार भी उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि इस राष्ट्रीय सेमिनार में प्रो॰ अब्दुल बारी (अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी), प्रो॰ सैयद अख्तर हुसैन (जे॰एन॰यू॰), प्रो॰ अशफाक अहमद (बी॰एच॰यू॰), प्रो॰ ख्वाजा मो॰ एकरामुद्दीन (जे॰एन॰यू॰) सहित कई राष्ट्रीय ख्याति के विद्वानों ने भी शिरकत की थी।

राष्ट्रीय सेमिनार में स्मारिका विमोचित करते हुए राज्यपाल – 16 अक्टूबर 2020

राज्यपाल ने मौलाना मजहरूल हक अरबी–फारसी विश्वविद्यालय एवं नालंदा खुला विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की

मौलाना मजहरूल हक अरबी–फारसी विश्वविद्यालय, पटना की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए राज्यपाल –21 अक्टूबर, 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में 21 अक्टूबर 2019 को मौलाना मजहरूल हक अरबी–फारसी विश्वविद्यालय एवं नालंदा खुला विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा तथा उक्त दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय प्रशासन एवं राज्यपाल सचिवालय के सभी संबंधित वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में गुणवत्ता–विकास हेतु निर्धारित एजेन्डे पर तेजी से अमल करना होगा। राज्यपाल ने कहा कि शैक्षणिक एवं एकेडमिक कैलेण्डर का अनुपालन विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक प्रगति के लिए निर्धारित मानक अत्यन्त स्पष्ट हैं, जिनपर विश्वविद्यालयों को तत्परतापूर्वक कार्य करना है और राष्ट्रीय स्तर पर अपने को बेहतर रूप में सिद्ध करना है।

राज्यपाल ने कहा कि **मौलाना मजहरूल हक अरबी–फारसी विश्वविद्यालय** द्वारा संचालित सभी 'ज्ञान संसाधन केन्द्रों' (Knowledge Resource Centres) को आधुनिक रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

मौलाना मजहरूल हक अरबी–फारसी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ खालिद मिर्जा ने बैठक में बताया कि विश्वविद्यालय के मीठापुर में बन रहे विश्वविद्यालय परिसर व भवन में जल–संचयन एवं सौर–ऊर्जा संचालित प्रकाश–व्यवस्था से जुड़ी योजनाएँ कार्यान्वित की जा रही हैं। समीक्षा के दौरान न्यायालयीय मामलों के निस्तारण कराने में भी विश्वविद्यालय की सक्रियता पर संतोष व्यक्त किया गया। कुलपति ने बैठक में जानकारी दी कि 'National Academic Depository' व्यवस्था को अंगीकार करने के लिए विगत जुलाई 2019 महीने में ही समझौता–पत्र हस्ताक्षरित हो चुका है।

बैठक में **नालंदा खुला विश्व–विद्यालय** की समीक्षा के दौरान कुलपति ने बताया कि नालंदा में नालंदा खुला विश्वविद्यालय के भवन–निर्माण के लिए उपलब्ध कराये गये भू–खंड पर चारदीवारी निर्माण का काम पूरा किया जा चुका है एवं उम्मीद की जाती है कि आगामी अगस्त 2020 तक प्रशासनिक भवन के निर्माण का काम भी कार्यकारी एजेन्सी द्वारा पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने राज्यपाल–सह–कुलाधिपति को जानकारी दी कि उनके विश्वविद्यालय में नामांकन–शुल्क में छात्राओं को 25 प्रतिशत की छूट दी जाती है। कुलपति श्री गुलाब चन्द राम जायसवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन सम्प्रति 213 अध्ययन केन्द्र कार्यरतहैं एवं 87 नये अध्ययन केन्द्रों की स्थापना हेतु आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

बैठक में नालंदा खुला विश्वविद्यालय का वर्ष 2019 का 'दीक्षांत–समारोह' आगामी 11 दिसंबर, 2019 को आयोजित करने हेतु की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

दोनों विश्वविद्यालयों में 'University Management Information System' की कार्यान्वयन–स्थिति पर भी बैठक में चर्चा हुई।

नालंदा खुला विश्वविद्यालय, पटना की क्रियाकलापों की समीक्षा करते हुए में राज्यपाल –21 अक्टूबर, 2019

राज्यपाल ने आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना की गतिविधियों की समीक्षा की

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के क्रिया–कलापों की समीक्षा करते हुए राज्यपाल श्री फागू चौहान –23 अक्टूबर, 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने 23 अक्टूबर, 2019 को राजभवन में बारी–बारी से आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना की गतिविधियों एवं कार्य–प्रगति की समीक्षा की।

समीक्षा–बैठक में बोलते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि आज ज्ञान का युग है और इसमें आधुनिक युग की जरूरतों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप नित नये–नये शोधों, अनुसंधानों आदि के माध्यम से राज्य के विश्वविद्यालय राज्य में शैक्षिक प्रगति को गुणवत्तापूर्ण बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि **आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय** को ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचारी प्रयोगों और शोधमूलक गतिविधियों को प्रश्रय देते हुए राज्य की शैक्षिक प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने बराबर बाढ़ एवं सुखाड़ से प्रभावित होने वाले बिहार राज्य में 'River Studies' के लिए खुलनेवाले केन्द्र को समय की माँग बताते हुए इसके लिए शीघ्र आधारभूत संरचना विकास एवं मानव संसाधन विकसित करने को जरूरी बताया।

राज्यपाल ने बैठक के दौरान मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित करायी जानेवाली विभिन्न परीक्षाओं को स्वच्छ एवं कदाचारमुक्त रूप में सम्पन्न कराने के लिए भी निदेशित किया।

बैठक के दौरान राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों के लिए परीक्षा–केन्द्रों के चयन तथा स्वच्छ–कदाचारमुक्त परीक्षाओं के आयोजन आदि को लेकर गठित समिति की अनुशंसा प्राप्त होने पर इसे विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को उनके मंतव्यों हेतु भेजा जाना चाहिए, ताकि सर्वमान्य व्यवस्था बहाल करने के लिए राजभवन से समुचित मार्ग–दर्शन प्रदान किया जा सके।

राज्यपाल ने अपर मुख्य सचिव को बैठक के दौरान निदेशित किया कि राज्य में विभिन्न सत्रों के नियमित संचालन हेतु व्यवस्था बहाल करने निमित्त आवश्यक अनुशंसा प्राप्त करने के लिए तीन कुलपतियों की एक समिति यथाशीघ्र गठित कर दी जाये, ताकि राज्य में अकादमिक एवं शैक्षणिक कैलेण्डर के ससमय अनुपालन में कठिनाई नहीं हो।

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर की समीक्षा के दौरान राज्यपाल– सह–कुलाधिपति ने कहा कि बिहार की अर्थव्यवस्था का मूलाधार कृषि है, अतएव 'तृतीय कृषि रोड मैप' के आलोक में समेकित कृषि के लक्ष्य को हर हाल में हासिल किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि राज्य की जलवायु के मद्देनजर विभिन्न फसलों की उन्नत बीजों का अनुसंधान किया जाना चाहिए। उन्होंने साग–सब्जियों, मशरूम, मखाना आदि के उत्पाद की आधुनिक व्यवस्था विकसित किए जाने के साथ–साथ, खाद्य–प्रसंस्करण उद्योगों को भी विकसित किये जाने की आवश्यकता बतायी।

राज्यपाल ने **बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय** की समीक्षा के क्रम में कहा कि देशी नस्ल की गायों के समुचित पालन तथा उनके दुग्ध देने की क्षमता के विकास हेतु भी

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए राज्यपाल श्री फागू चौहान –23 अक्टूबर, 2019

कारगर उपाय किए जाने चाहिए।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति को 'नैक प्रत्ययन' हेतु समुचित आवश्यक व्यवस्था शीघ्र पूरी करने के निदेश दिये गये।

समीक्षा बैठक में बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ अजय कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय कृषि–ज्ञान–रथ, किसान–चौपाल, सामुदायिक रेडियों–स्टेशन, किसान– कॉल–सेन्टर, किसान–मेला आदि के जरिये किसानों एवं उनकी समस्याओं से सीधे जुड़ा हुआ है एवं आधुनिक कृषि के तौर–तरीकों की जानकारी किसानों को उपलब्ध करा रहा है। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति डॉ॰ रामेश्वर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के सत्र नियमित रूप से संचालित हो रहे हैं और एकेडमिक कैलेण्डर का पालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि 'Virtual Dissection Table' के माध्यम से छात्र काफी लाभान्वित हो रहे हैं।

बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा सहित संबंधित तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव सहित विश्व–विद्यालय प्रशासन एवं राज्यपाल सचिवालय के सभी वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए राज्यपाल श्री फागू चौहान –23 अक्टूबर, 2019

उच्च शिक्षा के विकास–एजेन्डे पर विश्वविद्यालय तेजी से अमल करें–राज्यपाल

वीर कुँअर सिंह विश्वविद्यालय आरा के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्यपाल को स्मृति–चिह्न भेंट करते हुए कुलपति – 22 अक्टूबर 2019

"राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को केन्द्र एवं राज्य सरकार से आधारभूत संरचना–विकास के लिए पूरी मदद मिल रही है। आज संसाधनों की कोई कमी नहीं है। राज्य में उच्च शिक्षा के विकास का एजेन्डा भी निर्धारित हो चुका है। आवश्यकता है, दृढ़संकल्प के साथ कर्त्तव्य–पथ पर सतत आगे बढ़ते रहने की।" –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय के '28वें स्थापना दिवस' समारोह को आरा में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय–प्रशासन, सरकार, राजभवन –सभी को व्यापक छात्राहित के बारे में ही निर्णय लेते हुए परस्पर सहयोग–भावना से काम करना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों का नैक–मूल्यांकन, बायोमैट्रिक उपस्थिति का पूर्ण अनुपालन, दीक्षांत समारोहों का नियमित आयोजन, शोध–कार्यों में गुणवत्ता का विकास, शिक्षा का डिजिटलीकरण, ऑन–लाइन विभिन्न प्रमाण–पत्रों का वितरण, 'यू॰एम॰आई॰एस॰' का पूर्ण कार्यान्वयन, रोजगारोन्मुखी नये पाठ्यक्रमों की व्यवस्था, 'हर परिसर, हरा परिसर' के विशेष अभियान का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन, 'परीक्षा कैलेण्डर' का पूर्ण अनुपालन एवं छात्र–संघ चुनाव –ये सारी बातें हमारी प्राथमिकताओं में शामिल हैं। श्री चौहान ने कहा कि वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय प्रशासन को भी इन पर तेजी से अमल करना चाहिए।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि कोई संस्था जब अपना 'स्थापना दिवस–समारोह' आयोजित करती है तो उसका उद्देश्य यही होता है कि वह अपनी प्रगति–यात्रा का मूल्यांकन करे। विगत वर्षों की उपलब्धियों पर गौरव और स्वाभिमान करना तो आवश्यक है ही, अपनी चुनौतियों को भी समझना और उनके मुकाबले के लिए वाजिब तैयारी करना भी बेहद जरूरी है। इतिहास गौरव के साथ–साथ आत्म–मूल्यांकन का भी अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि 'स्थापना–दिवस' के अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी शैक्षिक संस्था को इतना सशक्त और आधुनिक युग की माँग के अनुरूप विकसित करेंगे कि जिसपर यह क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरा प्रान्त और देश गर्व कर सके।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि प्राचीन काल से ही भोजपुर की धरती वीरता, पराक्रम और साधना की भूमि रही है। इसी क्रम में उन्होंने 1857 के क्रांति–महानायक बाबू वीर कुँवर सिंह का भी सादर स्मरण किया और उन्हें अपनी श्रद्धा निवेदित की।

राज्यपाल ने स्थापना–दिवस के अवसर पर सभी शिक्षकों–विद्यार्थियों और पूरे विश्वविद्यालय–परिवार को भी बधाई दी तथा 'प्रकाश पर्व दीपावली' और भगवान सूर्य की पूजा–आराधना से जुड़े लोकपर्व –'छठ पूजा' की भी शुभकामनाएँ दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुलपति प्रो॰ डी॰पी॰ तिवारी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' के 'स्थापना–दिवस' पर प्रेषित संदेश से भी जन–समुदाय को अवगत कराया।

कार्यक्रम को बिहार राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष श्री कन्हैया बहादुर सिन्हा एवं प्रो॰ देवव्रत राय (अमेरिका) ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव कर्नल एस॰एन॰ झा एवं धन्यवाद–ज्ञापन प्रतिकुलपति प्रो॰ एन॰के॰ साह ने किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, भोजपुर के जिलाधिकारी, आरक्षी अधीक्षक आदि भी उपस्थित थे। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति विद्यार्थियों द्वारा हुई। राज्यपाल ने 'स्थापना–दिवस' पर परिसर में वृक्षारोपण किया। उन्होंने समारोह के दौरान बाबू वीर कुँवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

वी.के.एस. यू. आरा के स्थापना दिवस समारोह का उद्‌घाटन करते हुए राज्यपाल– 22 अक्टूबर 2019

राज्य में स्वास्थ्य–सुविधाओं के विकास हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार तत्पर–राज्यपाल

भोजपुर जिला में आयोजित 20वें राष्ट्रीय मेगा हेल्थ कैम्प के उद्घाटन के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्यपाल श्री फागू चौहान –20 अक्टूबर, 2019

"स्वास्थ्य–सुविधाओं का राज्य में तेजी से विकास हो रहा है। केन्द्र एवं राज्य सरकार दोनों स्वास्थ्य–सुविधाओं के विकास में तत्पर हैं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'आयुष्मान भारत योजना' को देश में लागू कर आम गरीबों तक बेहतर चिकित्सा–सुविधाएँ मुहैय्या करा देने का अभूतपूर्व कार्य किया है। इस योजना की बदौलत अनेक असाध्य बीमारियों से गरीबों की रक्षा हो रही है। राज्य सरकार भी बेहतर स्वास्थ्य–सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है।"–उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 20 अक्टूबर, 2019 को भोजपुर जिलान्तर्गत बखोरावाली काली मंदिर परिसर में आयोजित '20वें राष्ट्रीय मेगा हेल्थ कैम्प' का मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि अनेक प्राइवेट अस्पताल पूरे राज्य में भी चल रहे हैं। उन्होंने सुझाया कि प्राइवेट अस्पतालों में गरीबों को कम शुल्क पर चिकित्सा–सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए कोई सार्थक पहल होनी चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि रेडक्रॉस सोसाइटी तथा अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से भी सुदूरवर्ती देहाती क्षेत्रों में 'चिकित्सा शिविरों' का आयोजन कराते हुए विशेषकर गरीब वर्ग तक स्वास्थ्य–सुविधाओं को पहुँचाना हम सबका नैतिक दायित्व है। राज्यपाल ने कहा कि स्वास्थ्य–शिविरों के आयोजन में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के एन॰सी॰सी॰ एवं एन॰एस॰एस॰ के विद्यार्थियों की भी सेवा ली जानी चाहिए, ताकि समाज–सेवा की भावना हमारे देश के युवाओं में शुरू से ही विकसित हो सके।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि हमारे धर्मग्रंथों की यह मान्यता है कि शरीर ही वह साधन है जिसके माध्यम से धर्म–साधना भी हो सकती है। धर्म–साधना और कर्म–साधना दोनों के लिए शरीर का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन और मस्तिष्क का निवास रहता है। स्वस्थ दिल और दिमाग से ही जब हम किसी काम में लगते हैं तब उसकी सफलता निश्चित रहती है। राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि आज जो 'मेगा हेल्थ कैम्प' लगाया गया है उसका उद्देश्य उत्कृष्ट स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधाओं को आप तक सहज रूप में पहुँचाना है।

कार्यक्रम के पूर्व राज्यपाल श्री चौहान ने बखोरावाली माँ काली एवं परिसर में नवनिर्मित मंदिर में जाकर पूजा–अर्चना भी की एवं बिहारवासियों व देशवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि केन्द्र सरकार, राज्य सरकार को स्वास्थ्य प्रक्षेत्र में पूरा सहयोग प्रदान कर रही है।

उद्घाटन–समारोह को भोजपुरी भाषा में संबोधित करते हुए बिहार के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय ने राज्य में स्वास्थ्य–सुविधाओं एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास तथा नयी नियुक्तियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में बिहार विधान सभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विधान पार्षद श्री हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुलपति प्रो॰ डी॰पी॰ तिवारी, कार्यक्रम–संयोजक एवं अध्यक्ष श्री जे॰पी॰ नारायण, काली मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री यज्ञ नारायण तिवारी, एस॰बी॰आई॰ के सी॰जी॰एम॰ श्री महेश गोयल, डॉ॰ कैप्टन वी॰एस॰ सिंह, डॉ॰ गोपाल प्रसाद आदि भी उपस्थित थे। महामहिम राज्यपाल ने कार्यक्रम की शुरूआत में ही 'मेगा स्वास्थ्य कैम्प' का उद्घाटन किया एवं विश्वास व्यक्त किया कि शिविर में सुदूरवर्ती देहाती क्षेत्र की जनता निश्चित रूप से लाभान्वित होगी।

राज्यपाल ने 'जयप्रकाश तुम लौट आओ' पुस्तक को लोकार्पित किया

''जो कौम अपने पुरखों की बातों को याद नहीं रखती, वह अपने इतिहास और सांस्कृतिक जड़ों से कट जाती है। आज जरूरत है कि ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विरासतों और अपने महापुरूषों की वाणियों और संदेशों से प्रेरणा लेकर एक नये भारत, विचारवान भारत, सर्वसमावेशी भारत, स्वाभिमानी भारत और विश्वबंधुत्व की भावना में विश्वास रखनेवाले भारत के नवनिर्माण में हम सभी तत्पर हो जाएँ। जयप्रकाश जी तब स्वतः लौट आएँगे, जब उनके विचारों और दर्शन को हम अपने भीतर उतार लेंगे। ऐसा हो जाने पर वे हम सबके भीतर और इस देश के भीतर जीवंत हो उठेंगे।''–उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित समाजसेवी एवं प्रसिद्ध लेखिका श्रीमती ममता मेहरोत्रा लिखित तथा प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक –'जयप्रकाश तुम लौट आओ' को मुख्य अतिथि के रूप में लोकार्पित करते हुए व्यक्त किये।

'जयप्रकाश तुम लौट आओ' पुस्तक को लोकार्पित करते हुए राज्यपाल– 12 अक्टूबर 2019

लोकार्पण–समारोह में राज्यपाल ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश जी का जब हम स्मरण करते हैं तो हमें न केवल भारतीय–स्वतंत्रता–संग्राम याद आ जाता है, जिसकी बदौलत हम 1947 ई॰ में आजाद हुए थे, बल्कि आजादी की वह दूसरी लड़ाई भी हमारे दिमाग पर दस्तक देने लगती है, जिसके जरिये हमें उस 'आपातकाल' से छुटकारा मिला था, जो स्वतंत्र लोकतांत्रिक भारत का सबसे बड़ा 'काला अध्याय' माना गया है। श्री चौहान ने कहा कि लोकनायक ने बिहार की इस पावन भूमि से 'सम्पूर्ण क्रांति' का जो शंखनाद किया था, उसकी अनुगूंज पूरे भारतवर्ष में लोगों ने सुनी थी और देश से तानाशाही हुकुमत का खात्मा हो गया था। जयप्रकाश जी के सिद्धांतों में आस्था रखनेवाले उनके अनुयायी बाद में कई प्रदेशों में सत्ता में आये और उनके विचारों पर अमल की भरपूर कोशिश की। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश जी का व्यक्तित्व इतना विराट और उदार था कि वे अपने राजनीतिक विरोधियों को भी कभी अनादर से नहीं देखते थे, किन्तु अपने सिद्धांतो को लेकर अडिगता कोई जयप्रकाश जी से सीखे। राज्यपाल ने के कहा कि कई अवसर आये जब जयप्रकाश जी देश की बागडोर स्वयं सँभाल सकते थे, लोग ऐसा चाहते भी थे, परन्तु भारतीय राजनीति के इस 'अजातशत्रु' ने तो जैसे त्याग और संघर्ष को ही अपना जीवन–मंत्र मान लिया था। भारतीय राजनीति को आज जे॰पी॰ से इसी राजनीतिक सदाशयता, त्याग, ईमानदारी और तपस्या की सीख लेनी चाहिए।

समारोह में बोलते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि बिहार की धरती में ही संघर्ष और प्रतिभा के अनगिनत बीज छिपे रहते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की राजनीतिक–सामाजिक सोच काफी प्रखर है। राज्यपाल ने कहा कि दरअसल बिहार की सामाजिक–राजनीतिक संचेतना इतनी विकसित है कि बिहार जो आज सोचता है, वही कल पूरे देश की आवाज बन जाती है। 'संपूर्ण क्रांति' का आंदोलन इसकी ज्वलंत मिशाल है।

राज्यपाल ने कहा कि लोकार्पित पुस्तक काफी रोचक, तथ्यपूर्ण और शोधमूलक है। इसका शीर्षक भी काफी संवेदनापूर्ण और भावात्मक है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि लोकनायक के नेतृत्व में 'संपूर्ण क्रांति' के आन्दोलन में बिहार की क्रांति की आवाज पूरे देश में गूंजी थी और तत्कालीन सत्तासीन पदच्यूत हो गए थे। श्री चौधरी ने कहा कि 'संपूर्ण क्रांति' एक व्यापक आयाम वाली अवधारणा थी, जिसमें आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक सभी क्षेत्रों में क्रांतिमूलक परिवर्तन की बात शामिल थी। श्री चौधरी ने अपने सारगर्भित संबोधन में एक प्रासंगिक राजनीतिक महानायक पर पुस्तक–लेखन के लिए लेखिका को बधाई दी तथा उनके 'बिहार–प्रेम' को भी रेखांकित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुस्तक की लेखिका श्रीमती ममता मेहरोत्रा ने कहा कि 'लोकनायक जयप्रकाश' एक सम्पूर्ण विचारधारा का नाम है। उन्होंने कहा कि पुस्तक में जयप्रकाश जी के जीवन–दर्शन के अनछूये प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया है। श्रीमती मेहरोत्रा ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश जी के सम्पूर्ण जीवन में संघर्ष और त्याग महत्वपूर्ण पहलू हैं। उनमें सामाजिक परिवर्तन और समरसता की प्रबल पक्षधरता देखने को मिलती है। लेखिका ने लोकनायक जयप्रकाश के विचारों और जीवन–दर्शन को पाठ्यक्रमों में महत्वपूर्ण रूप से शामिल करने का भी अनुरोध किया।

कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान, माननीय अध्यक्ष बिहार विधान सभा श्री विजय कुमार चौधरी, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, उत्तर प्रदेश के युवा नेता एवं समाजसेवी श्री रामविलास चौहान एवं पुस्तक की लेखिका श्रीमती ममता मेहरोत्रा को अंगवस्त्रम्, पुष्प–गुच्छ, स्मृति–चिह्न एवं पुस्तकोपहार से राजधानी के विभिन्न प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा अभिनंदित भी किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत–भाषण प्रभात प्रकाशन के प्रतिनिधि–अधिकारी श्री राजेश शर्मा एवं धन्यवाद–ज्ञापन राज्यपाल के जनसम्पर्क अधिकारी डॉ॰ सुनील कुमार पाठक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ॰ ध्रुव कुमार ने किया।

समारोह में पाटलिपुत्र एवं नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ गुलाब चन्द राम जायसवाल, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ ए॰के॰ अग्रवाल, प्रतिकुलपति डॉ॰ एस॰एम॰ करीम, मौलाना मजहरूल हक अरबी–फारसी विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति प्रो॰ खालिद मिर्जा, श्रीमती विभा सिंह, श्रीकांत सत्यदर्शी, प्रो॰ शिवनारायण, समीर परिमल, नीतू कुमारी नवगीत, आशुतोष मेहरोत्रा, अरविन्द सिंह, पंकज सिंह, डॉ॰ अशोक सिन्हा, डॉ॰ संजय सहित अनेक साहित्यकार, कलाकार, चिकित्सक, अधिवक्ता, पदाधिकारी, समाजसेवी गणमान्य जन आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के सपनों को साकार करने हेतु सबको संकल्प लेना चाहिए-राज्यपाल

राजभवन में गाँधी जयन्ती समारोह के अवसर पर पुस्तकों का विमोचन करते हुए राज्यपाल– 2 अक्टूबर, 2019

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने राजभवन के दरबार हॉल में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती–वर्षगाँठ के अवसर पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर अपना नमन निवेदित किया। राज्यपाल श्री चौहान ने कार्यक्रम में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व॰ लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीर पर भी माल्यार्पण कर अपनी भावांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों में मिष्ठान्न भी वितरित किया। कार्यक्रम में गाँधीजी के प्रिय भजनों को भी लोगों ने सुना।

समारोह में राज्यपाल ने 'महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्, हैदराबाद' द्वारा प्रकाशित बापू के स्वच्छता एवं जल–संरक्षण विषयक विचारों से संबंधित कार्य–योजनाओं की नियमावली से संदर्भित दो पुस्तकें – (1) 'जलशक्ति कैम्पस और जलशक्ति ग्राम' तथा (2) 'स्वच्छ कैम्पस' को लोकार्पित भी किया।

इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि वस्तुतः राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयन्ती की '150वीं वर्षगाँठ' आयोजित कर हम गाँधीजी के आदर्शों में अपनी आस्था प्रकट करने के साथ–साथ, मौजूदा ज्वलंत समस्याओं के समाधान तलाशने पुनः उनकी शरण में जाना चाहते हैं।

राज्यपाल ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी कहा करते थे कि उनका जीवन–दर्शन अलग से कोई दार्शनिक सिद्धांत या 'वाद' नहीं है, बल्कि यह तो जीवन में सत्य के आधार किए गये उनके प्रयोगों का ही सार–तत्व है। वे साफ–साफ कहते थे कि मेरा जीवन ही मेरा सिद्धांत है। श्री चौहान ने कहा कि गाँधीजी ने अपने कर्मों के माध्यम से ही सम्पूर्ण मानवता को संदेश दिया।

राज्यपाल ने कहा कि लोकार्पित हुई पुस्तकों के आलोक में सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को स्वच्छता, सफाई एवं जल–संरक्षण के लिए संकल्पित होने को कहा जाएगा। यह अभियान शिक्षकों–छात्रों–छात्राओं आदि के सामूहिक प्रयासों से ही सफल होगा। श्री चौहान ने कहा कि स्वच्छता, सफाई, जल–संरक्षण जैसे बापू के संदेशों को अपने जीवन में उतार कर ही हम बापू की '150वीं जयन्ती वर्षगाँठ' पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों को जल–संरक्षण, स्वच्छता, सफाई आदि के लिए निश्चित रोड–मैप बनाकर कार्य करने में आज लोकार्पित हुई पुस्तिका से काफी मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्, हैदराबाद के सहायक निदेशक श्री डी.एन॰ दास ने संस्थान की तरफ से महामहिम राज्यपाल को अंगवस्त्रम् एवं स्मृति–चिह्न भेंट कर उनका अभिनन्दन किया और लोकार्पित पुस्तकों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा को भी सहायक निदेशक श्री दास ने स्मृति–चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन राज्यपाल के जनसम्पर्क अधिकारी डॉ॰ एस॰के॰ पाठक ने किया।

राजभवन में बापू एवं पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री जी की तस्वीर पर मालर्पण करते राज्यपाल– 2 अक्टूबर, 2019

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का छठा दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का छठा दीक्षांत समारोह दिनांक 14 सितम्बर 2019 को सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर के बापू सभागार में आयोजित हुआ था। दीक्षांत समारोह में कुल 8552 छात्र–छात्राओं को डिग्री प्रदान की, गई जिसमें 1405 छात्र–छात्राओं ने खुद उपस्थित रहकर विश्वविद्यालय के कुलपति तथा अन्य विद्वतजनों से उपरधि प्राप्त की। हिन्दी दिवस को ध्यान में रखते हुए पूरा कार्यक्रम हिन्दी में संचालित किया गया। 17 छात्र–छात्राओं को गोल्ड मेडल प्रदान किये गये, उनमें 10 छात्राएँ थी, 02 सर्वश्रेष्ठ स्नातकों का गोल्ड मेडल भी लड़कियों को ही मिलें। बिहार के माननीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान अपरिहार्य कारणवश समारोह में उपस्थित नहीं हो पाए पर उनके निदेशानुसार उनका संबोधन कुलपति द्वारा पढ़ा गया। अपने सन्देश में राज्यपाल ने छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई दिया। साथ ही आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना द्वारा अल्प समय में प्राप्त उपलब्धियों की सराहना की।

दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित बिहार के शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा लगातार नए लक्ष्यों को निर्धारित कर उन्हें फलीभूत करने में समर्पित होने के लिए प्रशंसा की।

दीक्षांत समारो के विशिष्ट अतिथि स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने मेडिकल शिक्षा में शोध पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

विज्ञान एवं प्रावैधिकी मंत्री श्री जय कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में नए युग की औद्योगिक एवं तकनीकी क्रांति के लिए प्रचूर संसाधन और संभावनाएँ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० (प्रो०) अरुण कुमार अग्रवाल ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति डॉ० (प्रो०) शम्भुनाथ गुहा, विश्वविद्यालय की सभा, कार्यकारिणी परिषद एवं शैक्षणिक परिषद् के सदस्य, विश्वविद्यालय के सभी पूर्व कुलपति, विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो० एस.एम. करीम, परीक्षा नियंत्रक–सह–कुलसचिव ई० राजीव रंजन एवं विश्वविद्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

दीक्षांत समारोह में बोलते हुए शिक्षा मंत्री श्री के. एन. पी. वर्मा – 14 सितम्बर 2019

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने गाँधी मैदान स्थित बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती–वर्षगाँठ के अवसर पर गाँधी मैदान, पटना में अवस्थित राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर 2 अक्टूबर को माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

समारोह में बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करनेवालों में उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधान सभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा, भवन निर्माण मंत्री श्री अशोक चौधरी आदि प्रमुख थे। प्रतिमा पर कई विधायकों, विधान पार्षदों, जन–प्रतिनिधियों, वरीय प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक–राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों–प्रतिनिधियों आदि ने भी माल्यार्पण किया।

समारोह में माल्यार्पण करते हुए राज्यपाल

समारोह में माल्यार्पण करते हुए राज्यपाल

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व॰ लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती के अवसर पर शास्त्रीनगर पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व॰ लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती के अवसर पर स्थानीय शास्त्रीनगर पार्क, पटना स्थित उनकी प्रतिमा पर 2 अक्टूबर को माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी स्व॰ लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

स्व॰ शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करनेवालों में उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधान सभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा, भवन निर्माण मंत्री श्री अशोक चौधरी आदि प्रमुख थे। प्रतिमा पर कई विधायकों, विधान पार्षदों, जन–प्रतिनिधियों, वरीय प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक–राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों–प्रतिनिधियों आदि ने भी माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती–पूजन तथा भजन एवं देशभक्तिपूर्ण गीतों का गायन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

समारोह में माल्यार्पण करते हुए राज्यपाल

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयन्ती 11 अक्टूबर के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह में आयकर गोलम्बर स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए अपनी श्रद्धा निवेदित की।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

समारोह में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करनेवालों में उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, उद्योग मंत्री श्री श्याम रजक आदि प्रमुख थे।

कार्यक्रम में कई विधायकों, विधान–पार्षदों, विभिन्न सरकारी व गैर–सरकारी तथा सामाजिक–राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों, वरीय प्रशासनिक अधिकारियों एवं गणमान्य जन आदि ने भी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

समारोह में माल्यार्पण करते हुए राज्यपाल

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह में पटेल चौक, पटना स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपना नमन निवेदित किया।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी इस अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

उक्त राजकीय समारोह में माननीय केन्द्रीय कानून एवं न्याय तथा इलेक्ट्रॉनिक सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद, माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, माननीय मंत्री, पथ निर्माण विभाग श्री नंद किशोर यादव, माननीय ग्रामीण विकास एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री श्रवण कुमार, माननीय उद्योग मंत्री श्री श्याम रजक, माननीय सांसद श्री रामकृपाल यादव, विधायक श्री अरूण कुमार सिन्हा, विधायक श्री संजीव चौरसिया सहित कई जन–प्रतिनिधिगण, आयोगों/सामाजिक–राजनीतिक संगठनों/संस्थानों आदि के अध्यक्षों/सदस्यों/पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों, वरीय प्रशासनिक अधिकारियों एवं गणमान्य जन आदि ने भी सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम में सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती–पूजन एवं देशभक्तिपूर्ण गीतों के गायन–कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए ।

समारोह में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल

राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री ने डॉ० राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने महान समाजवादी नेता स्व० डॉ० राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि (12 अक्टूबर) के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह में 'लोहिया उद्यान', लोहिया नगर, पटना स्थित डॉ० राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी स्व० डॉ० लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्व० डॉ० लोहिया की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करनेवालों में माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, उद्योग मंत्री श्री श्याम रजक आदि प्रमुख थे।

डॉ० लोहिया की प्रतिमा पर कई जन–प्रतिनिधियों, सरकारी/गैर–सरकारी तथा सामाजिक–राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों, वरीय प्रशासनिक अधिकारियों, गणमान्य जन आदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने 'बिहार केशरी' डॉ० श्रीकृष्ण सिंह की जयन्ती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

समारोह में माल्यार्पण करते हुए राज्यपाल

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 'बिहार केशरी' स्व० डॉ० श्रीकृष्ण सिंह की जयन्ती (21 अक्टूबर) के अवसर पर मुख्य सचिवालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राजधानी पटना में आयोजित इस राजकीय समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी डॉ० श्रीकृष्ण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम के दौरान माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, उद्योग मंत्री श्री श्याम रजक, श्रम संसाधन विभाग के मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, विधायक श्री अरूण कुमार सिन्हा सहित कई जन–प्रतिनिधिगण, सामाजिक–राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं गणमान्य–जन आदि ने भी डॉ० श्रीकृष्ण बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम में सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती–पूजन तथा देशभक्तिपूर्ण गीतों के गायन प्रस्तुत किये गये।

बिहार के राज्यपाल

(स्वतंत्रता के बाद)

विनोद चन्द्र पांडे

(23 नवम्बर 1999 – 12 जून, 2003)

ये राजस्थान कैडर से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी थे। केन्द्रीय कैबिनेट सचिव के रूप में इन्होंने 1989–90 में अपनी सेवाएँ दी। ये बिहार के अतिरिक्त, झारखंड एवं अरूणाचल प्रदेश के भी राज्यपाल रहे। ये हिन्दी, पाली और संस्कृत के विद्वान थे।

***

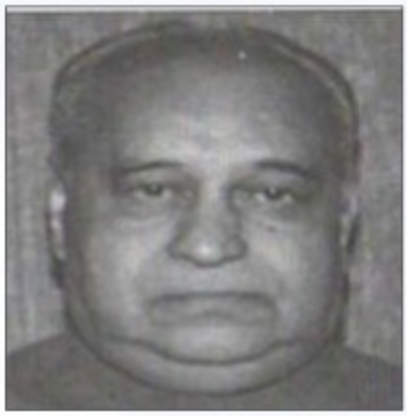

जस्टिस एम० रामा जोइस

(12 जून 2003 –31 अक्टूबर, 2004)

इन्होंने राज्यसभा सदस्य, झारखंड राज्य के राज्यपाल तथा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवाएँ दी। इन्होंने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता के रूप में भी कार्य किया।

***

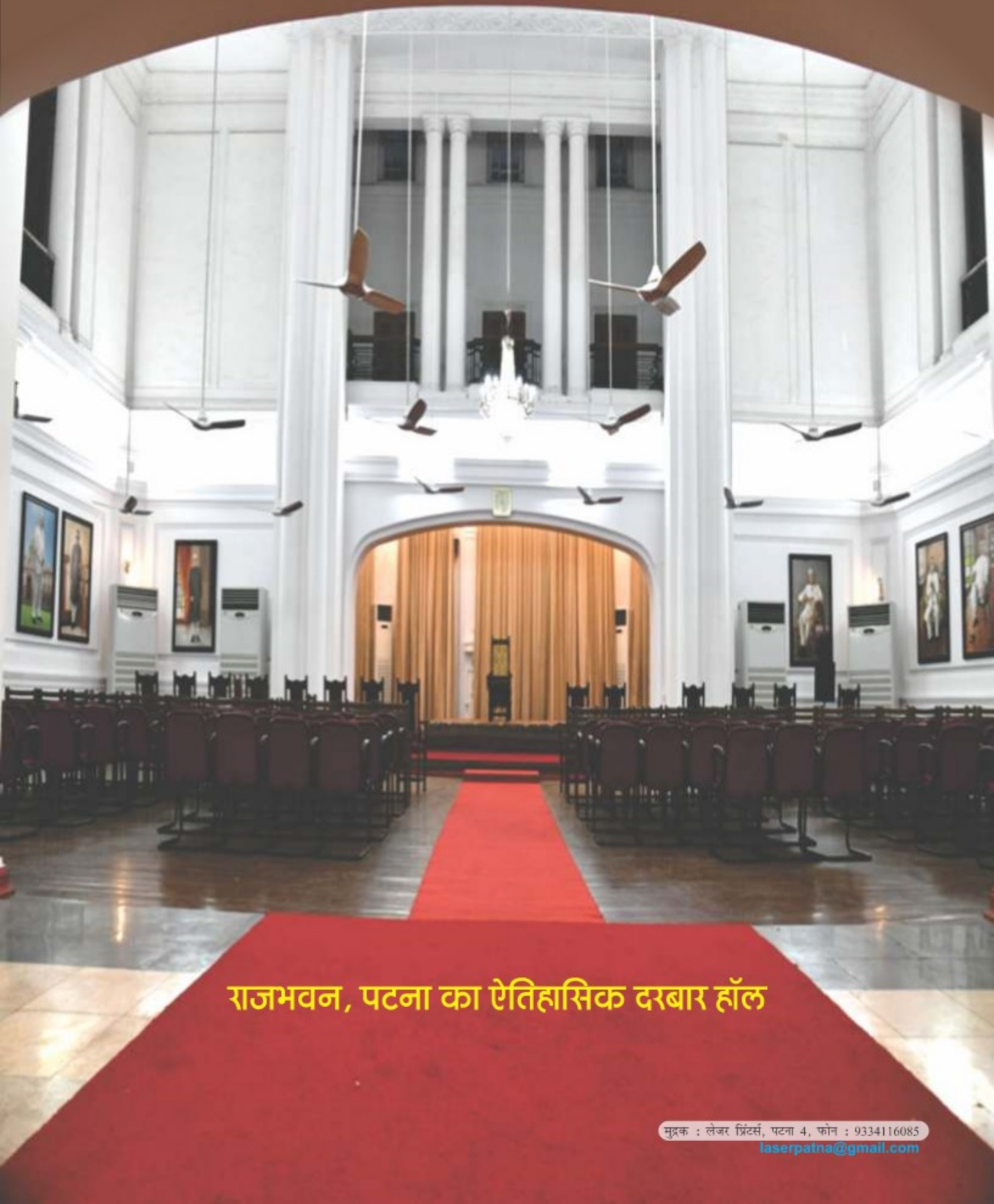

राजभवन, पटना का ऐतिहासिक दरबार हॉल

मुद्रक : लेजर प्रिंटर्स, पटना 4, फोन : 9334116085
laserpatna@gmail.com